

DPN 5576

Title : स्कन्दपुराण शनिश्चरस्तव / SKANDA PURĀṆA
S'ANIS'CARA STAVA

Run. No. 6267

Cat. No.

Micro. No.

Subject *Hyman (Hymn)*

Religion : *Hindu* / Bauddha

Language : *Skt.* / New. / Nep. / *Skt. - New.* / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. *20 x 6*

Folios *5*

Lines (in a page) *6*

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : *New* / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / *paper* / thyasaphu /

Condition : fine / *damaged* by worms, rats, *water* /

Old looking *जुला के रंग के*

Beginning, colophon, post-colophon :

centimeter

5

10

15

20

10

5

0

centimeter

5

10

15

20

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भगवत्परा
 श्रुतिप्रमाणं पठ्यते ॥ विष्णुसामं यजुर्वेदं सार्वभौमं
 यथैवेत्युक्तं ॥ अथ श्रीमद्भगवत्परा श्रुतिप्रमाणं
 पठ्यते ॥ देवैर्वापि नृपैश्चैव ॥ अथ श्रीमद्भगवत्परा
 श्रुतिप्रमाणं पठ्यते ॥ अथ श्रीमद्भगवत्परा श्रुतिप्रमाणं
 पठ्यते ॥ अथ श्रीमद्भगवत्परा श्रुतिप्रमाणं पठ्यते ॥

०१
 प्रथमा। तयतिगममनता। कुर्वति सर्वनाम्नाम्। अयमगममागता। आक
 ली दुर्गहादेषु। योत्रैकनपदादिके। पृथक् पृथक्तायात्रा। वसिष्ठपुत्रमरुदिः
 जाना। समाधत्ते किमन्तामि। वृत्तमीदृजसक्तमा। वसिष्ठवाय। यजानापुत्रिः
 प्रकृत्यै। तस्मिन्नसिनेकतयका। वृत्तयात्रासाधयन्तु। वृत्तयात्रादिति सद
 ॥ यथादितवयश्च। यात्राविस्मयमात्रतथासर्वविद्यामनसा। सादसेय
 मीमद॥ समादायधनदिवी। दिवायधनमन्त्रिणी। यथमायुश्च वृत्तान्। यात्रा

०२
 नक्रउमउली॥ सपादयात्रात्रलक्रे। सूर्यस्थायविमलिते। यादिकीयपुमास्तथा
 यात्रादहायथस्तदा॥ यथलुकायुर्नैदिका। मानिप्रवृत्तिरुचिती। दैसवर्षय
 सयुक्ते। महाकेतुसमन्त्रिते॥ दिव्यमानामदायलेशकिञ्चित्सकृदादेवैवि
 याजसतदाकाशा। दितियैववतास्तथा॥ आकल्यपुत्रिणीयायी। मीदायुर्लुनि
 दृष्टु। सूर्यासुविमर्दना॥ हसितारैतयास्मात्त्रि। विदेम्वनमवविता॥ हानियु
 क्ताया। योयुषेत्तवैजाये। यत्रैत्रियुतयेकयथादकासुयमन्यावसिद्धिभि

०

आध्यायः ॥ मया वला किका जाडन रसायन सवडनिते ॥ दुषादेन जाडः
 नु तपसा पोषयत वा ॥ वयं कुदियदास्यमि मनसा यदतिपिरी ॥ दधायथाव
 या ॥ यादिनिमदयित्वा तु नगले वीहया मना ॥ धात्रि तः सा वायाय ॥ आवतः
 वडाकमेदिनि ॥ यावत्क रमया मीय ॥ नान्यमि कुमि न वयं ॥ नवमसु धानिः
 याद ॥ वयं दत्ता दुष्मयता ॥ सीया यत वयं जात्रा ॥ कृतक त्याग वरुदा ॥ दादधम वलु
 इति श्री रविष्ठाकिः कदाचन ॥ किरि प्रथम दीर्घा तु नैलाक उरविष्ठाति ॥

०

नववयलु सीयाय दत्तायामा सपाथिव ॥ प्रथम विधनः ॥ रुत्वाय वरुः
 ताडलि ॥ धात्वा मय सुनिदं वी ॥ ठासनाथ विनायकः ॥ यात्रा दहा प्रथम कारी सोः
 प्रविद मथा कयाते ॥ ॥ नमः ॥ कृष्णयतिनाय ॥ धीरि कलु निरायय ॥ नमः
 गिल मयराय ॥ नलोत्तु कि निरायय ॥ नमानि मी स ददाय ॥ दिद्य मधु उदाय
 या ॥ नमा विमाल नयय ॥ शुकाद यतय नमः ॥ नमः प्रथम जाय ॥ सुप्रथमायः
 व नमः ॥ नमा शदि द्यय शुकाय ॥ काल दहा नमा सुत ॥ नमः सुकाद यत्राय ॥ इति

०

Centimeter 5

10

15

20

०

लकायतं नमः। नमो ध्यायाय प्रो डाय। लीष धाय कया विनं॥ नमः सर्व धुक्तय
 वे विमल ४ नमो सुतं। नमो मन्दु का ता तु री। निमि साय नमो सुतं॥ अरु काय
 नमो सुतं। तस्मात्तय नमो सुतं १ सूर्य पुरी नमो सुतं। ता सुत ता सुत दाय व १॥
 अ. धा द पि नमो सुतं। सर्व क व नमो नमः १ नमः १ को ला ठि न य दाय। क ता का य व
 नमः १॥ नमो मन्द क ता तु री १ धा नै धा या य वे नमः १ तय सा द धा ठ च द दाय। निर्य
 को ठा य ता य य॥ लान व क नमो सुतं। का सा पा ल ड सु व नं। तु ला द दा हि याः

०

क ४४। य का वि द य स क धा तं। द वा सु य म नू पा ध्व। य धु य कि लु। थ ति मा। ल याः
 व ला कि ता सर्व। ना ध्या या नि स म ल ता॥ व क णी क म नू पा ध्व॥ स व य स क ता य का॥
 या का तु का १ य ति ति दे। त वं दू क व लो क ता। द धा ध्व न ठा य ठा मा। दी पा। ध्व व द
 मा लु था १॥ ल या व ला कि ता सु पि। ना ध्या या नि स म ल थ ध य धा द क य मे सो य व
 य थ द त व सि ता। उ वं सु ला क दा सो वि ठु द या जा म हा व ल धा क व रू गे द धा नाः
 क द त या मा य ता क पि॥ स नि य का य॥ तु का द त व या ड नु। ता वं ना रं न स

०

centimeter

5

10

15

20

०

बुत ॥ २३ ॥ इति पदासामि । सेवया लघुनन्दन ॥ दद्यात्तथा वा ॥ अथ पुनः
 निरूपयि । कदायाचनकसाविता दं वा सुप्रमन्यानी । यस्मिन्निष्ठाविधा
 या ॥ धानिप्रवाय ॥ अथ लघुदोहया । अथ पिठकया स्मृति ॥ अथ यन्त्र
 यन्त्र ॥ अथ लघुदं दामित ॥ अथ पाक ॥ अथ मसुर ॥ यथ धीयन्ति मानवा ॥ अ
 काकालीदिकायसा । पिठमसुमिति नवै । दं वा सुप्रमन्यानि । सिद्धिविद्या
 ध्याय ॥ मृत्तुथानसि तं वापि । अथ पिठकया स्मृति ॥ यथ न ॥ अथ दयायक

०

१७३ विष्णु नमसादिना ॥ समिध ॥ १७४ मथुका । यतिमानो ह जातममद नं कु
 विमथदा । सायेना । धनये अथ ॥ अथ यित्तामम साये । अथ वाये वक्रा मसु लि
 १७५ अथ पिठानये वादे । अथिष्ठा मिकदावन ॥ अथ लघुता लीधुवा । दद्यात्तथा
 दद्यात्तथा ॥ अथ कामिष्ठा ननकसा । पिठकानाथ दद्यात्तथा ॥ अथ नैव पुकायदा
 पिठामेकै अथ लघु वंता ॥ अथ दद्यात्तथा ॥ अथ दद्यात्तथा ॥ अथ दद्यात्तथा ॥
 धमात्मान ॥ नमस्तु तां धाने ॥ धाने नायार्कनका । अथ लघुता लीधुवा

०

centimeter

5

10

15

20

10

5

0

centimeter

5

10

15

20

सकनं मतकषला जयेकं ताहवता सधनकोपिक विमज्जयामह
नि।स।तिस्वयकतादाय। ताहवता ताहवता हथा मन्त्रिहरीकन्ददयाल
जानिस्वयसुवधसुमायम् ॥